



2017-2018



PASS (Parvatiya Aranya Sewa Evam Vikas Sansthan) ANNUAL REPORT

(वार्षिक प्रगति विवरण)

पर्वतीय अरण्य सेवा एवं विकास संस्थान (PASS)
पुलिस लाईन रोड, कुमौड
पिथौरागढ़ – 262501 (उत्तराखण्ड, भारत)

Police Line Road, Kumour
Pithoragarh-262501
Uttarakhand, India



Introduction :

Parvatiya Aranya Sewa Evam Vikas Sansthan (PASS) was established in November 1997 with a firm resolution to work for the development of the rural community through organizing community centered activities. The objective of the organization is to work for the conservation and promotion of the environment to bring systematic social change in the community. The current operational areas of the organization are States Pithoragarh, Champawat, Almora and Bageshwar. Other than the above, the organization is putting efforts to gradually develop its operational areas. PASS is working in coordination with the government on various issues relating to the development and betterment of the community through conducting seminars, workshops, conferences, and meetings to help bring the social concerns into light.

After the registration of the organization and obtaining financial help of various government and nongovernmental organizations, and completing all the necessary formalities an administrative structure came into being. After which various programs started for the community.

परिचय :

पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन, ग्रामीण समुदाय के विकास और जन केंद्रित नियोजन की विविध गतिविधियों के माध्यम से व्यवस्थागत परिवर्तन/समाज परिवर्तन के मूल उद्देश्य को समाहित करते हुए एक दृढ़ निश्चय के साथ "पर्वतीय अरण्य सेवा एवं विकास संस्थान" की स्थापना नवम्बर 1997 में की गयी। वर्तमान में संस्था के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ़, जनपद चम्पावत, जनपद अल्मोड़ा तथा जनपद बागेश्वर सम्मिलित हैं। उक्त के अतिरिक्त संस्था अपने कार्यक्षेत्र में उत्तरोत्तर वृद्धि करने हेतु प्रयासरत् है। वर्तमान तक विकास और समाज परिवर्तन से जुड़े विविध मुद्दों पर सरकार के साथ सहभागिता की, तथा अनेकानेक सेमिनारों, कार्यशालाओं, गोष्ठियों, सभाओं आदि के माध्यम से सामाजिक सरोकारों को आगे लाने का प्रयास किया गया है।

संस्था के पंजीकरण के उपरान्त विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी वित्तीय संगठनों से आवश्यकतानुसार वित्तीय सहयोग लेने के उपरान्त आवश्यक औपचारिकताएं तथा आवश्यक प्रशासनिक ढांचा भी संस्था में बनता चला गया और आवश्यकता के अनुसार विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम भी संचालित होने लगे।

Objectives of the organization:

1. To conduct activities to improve the productivity of barren land, fallow land, etc. as well as to conserve the environment.
2. To develop the community and spread awareness among the community regarding education, environment, health, children's education as well as unconventional education.
3. To organize the community for people centered planning and development. To develop a model for development by providing training to the community.
4. To organize awareness program on women empowerment, education, and training.
5. To conduct programs and to motivate and educate the community on watershed management, resource management, drinking water supply, irrigation, alternative energy, animal welfare, agricultural development, and agribusiness
6. To publish, edit, compile, and distribute literature for the promotion of programs related to education, cultural development as well as the development of the community.
7. To conduct income generating programs and to train rural and women groups on the same. To manage marketing for them.
8. To develop economic measures for the infrastructural development of the organization, to conduct programs on self reliance and to conduct awareness generating programs.
9. To conduct programs for the development of the environment, tourism and culture.
10. To work on issues and concerns related to the community, and individual health.

संस्था के उद्देश्य :

1. ऊसर भूमि, परती भूमि आदि का सुधार कर उत्पादकता बढ़ाने व पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों का संचालन करना।
2. समुदाय संगठन, समुदाय विकास एवं शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा, बाल शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा एवं जन जागरण।
3. जन केन्द्रित नियोजन एवं विकास के लिये समुदाय को संगठित करना, प्रशिक्षित करना एवं विकास का प्रदर्शन माडल विकसित करना।
4. महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, प्रशिक्षण, संगठन एवं जागरुकता कार्यक्रमों का संचालन करना।
5. जलागम प्रबन्धन, संसाधन प्रबन्धन, पेयजल आपूर्ति, सिंचाई, वैकल्पिक ऊर्जा, पशु कल्याण, कृषि विकास, बागवानी विकास एवं कृषि व्यापार के कार्यक्रमों का संचालन करना एवं समुदाय को इसकी शिक्षा व प्रेरणा देना।
6. शिक्षा, संस्कृति विकास एवं समुदाय विकास के कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार हेतु संबंधित साहित्य का प्रकाशन, सम्पादन, संकलन कर उसे वितरित करना।
7. ग्रामीण संगठनों, महिला संगठनों आदि के लिये आयवर्धन कार्यक्रमों का संचालन करना इसके लिये प्रशिक्षण देना तथा विपणन आदि का प्रबन्धन करना।
8. संस्था के ढांचागत विकास हेतु आर्थिक उपाय करना, आत्मनिर्भरता के कार्यक्रम संचालन करना तथा जागरुकता के कार्यक्रम संचालित करना।
9. पर्यावरण, पर्यटन व संस्कृति के विकास हेतु कार्यक्रमों का संचालन करना।
10. सामुदायिक एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं एवं मुद्दों पर कार्य करना।

Financial Statement Year: 2017-18

1. Balance Sheet –

Sl.No.	Liabilities	2017-18	Assets	2017-18
1	Over Expenditure	3776969.31	Fixed Assets	205503.00
2	Unsecured Loan	201378.00	Current Assets	63514.00
3			Cash and bank balance	3709330.31
	Total	3978347.31		3978347.31

2. Income & Expenditure –

Sl.No.	Income	Amount	Expenditure	Amount
1	By Grant-in-Aid	18312461.00	Society Main	43612.35
2	By Bank Interest	86914.00	USACS (TI Project)	779907.00
3	By Membership fee	1750.00	Equine Welfare Program	2976444.91
4	By Donation Receipts	73300.00	Hans Jaldhara_Garur & Kapkote Project	2498611.13
5	By Intrest on IT Refund	3727.00	Hans Jaldhara Bageshwar_DPR Project	8720129.04
			Family Counselling Center	324293.00
			To Depreciation Charges	48079.00
			To Excess of Income Over Expenditure	3087075.57
	Total	18478152.00		18478152.00

Banking Detail

(i) A/C No. 32830100000101 Bank of Baroda Pithoragarh(NGO main account 1)	(ii) A/C No. 689510110000405 Bank of India Pithoragarh(Account for FCRA)
(iii) A/C No. 32830100000383 Bank of Baroda Pithoragarh(Account for TI Programe)	(iv) A/C No. 30391848428 SBI - Pithoragarh (Account for FCC)
Organisation Registration Detail	: Registration No. 557/1997-98 (Under Society Reg. Act 1860) Dated – 25/09/1997
FCRA Detail	: Registration No. 347990024 Dated – 01 April 2004
Income Permanent Account No. (PAN)	: AAA7P7999K
Tax Deduction Account No. (TAN)	: MRTPO3413E
12AA Registration of Income Tax	: CIT/Hld/12AA/22/2003-04/PAVS/03-04/1780, Dated:14/01/2004
80G Registration of Income Tax	: CIT (E) /LKO/80G/2016-17/109/1859/7522, Dated: 08/11/2016

Name & Address of Auditor –

Mr. M.C. Pandey
M.C. Pandey & Company
Narayan Niwas, Cinema Line
Pithoragarh, Utrakhand

Major programs and achievements in year 2017-18 :

The following programs/projects were conducted by the organization in year 2017-18

1. Targeted Intervention Program by USACS & NACO
2. Equine Welfare Program by Brooke Hospital for Animal -India
3. Hans Jaldhara Project by The Hans Foundation
4. Family Counseling Center by Central Social Welfare Board

The organization is putting efforts for spreading awareness as well as improving the opportunities of employment for the community through the above mentioned programs. Brief description of the programs conducted by the organization during the year is given below-

वर्ष 2017-18 के मुख्य कार्य एवं उपलब्धियां :

वर्ष 2017-18 में संस्था द्वारा निम्न कार्यक्रम/परियोजनाएं संचालित किये गये -

1. लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम (एचआईवी/एड्स)।
2. अश्व प्रजाति पशु कल्याण कार्यक्रम।
3. हंस जलधारा परियोजना।
4. परिवार परामर्श केन्द्र।

उपरोक्त कार्यक्रमों के माध्यम से संस्था द्वारा लोगों में जागरूकता के प्रसार के साथ-साथ रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के प्रयास किये। वर्ष के दौरान संस्था द्वारा किये गये कार्यों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है -

Targeted Intervention Program by USACS & NACO :

The Targeted Intervention Program funded by Uttarakhand State AIDS Control Society (USACS) and National AIDS Control Society (NACO) was conducted for the Labor Migrants on generating awareness on HIV/AIDS in Pithoragarh in the month of January 2010. The objective of the program is to disseminate information and prevention of HIV/AIDS, TB and Sexually Transmitted Diseases. The organization is currently working with 10000 migrants under The Targeted Intervention Program. 12 to 15 S.T.I health camps are being conducted each month in different places. Free testing and medicines are provided under the supervision of doctors during these health camps.



Health officer conducting checkups during the health camps conducted under the program

(कार्यक्रम के तहत आयोजित स्वास्थ्य शिविर में जाँच करते संस्था के चिकित्साधिकारी)

Nukkad natak is conducted each month at pre determined places in which actors and the program staff disseminates information in an entertaining way on HIV/AIDS, STI, TB, and other diseases. Advocacy with key stake holder meetings are conducted each month with the administration and other stake holders on the frame work and to discuss the issues concerning the migrants.

लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम (एच.आई.वी./एड्स) :

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन एवं उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा प्रायोजित लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम के तहत मजदूर प्रवासियों के मध्य एचआईवी/एड्स की जागरूकता हेतु पिथौरागढ़ शहर में कार्यक्रम का संचालन संस्था द्वारा माह जनवरी 2010 से किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रवास पर आये प्रवासियों को एचआईवी/एड्स, टी.बी. एवं यौन जनित रोगों की जानकारी व रोकथाम के बारे में जागरूक करना है। संस्था द्वारा वर्तमान में 10000 प्रवासियों के मध्य लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रवास पर आये प्रवासियों को एचआईवी/एड्स, टी.बी. एवं यौन जनित रोगों की जानकारी व रोकथाम के बारे में जागरूक करना है।

कार्यक्रम के तहत संस्था द्वारा प्रत्येक माह 12 से 15 एस. टी.आइ. स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन विभिन्न स्थानों पर किया जाता है, जिसमें प्रशिक्षित डॉक्टर द्वारा प्रवासियों की निःशुल्क जाँच कर औषधि वितरण की जाती है। कार्यक्रम के तहत संस्था द्वारा प्रत्येक माह नुक्कड़ नाटकों का आयोजन निर्धारित स्थलों पर किया जाता है, जिसमें नाट्य कलाकारों एवं कार्यक्रम स्टाफ द्वारा एचआईवी/एड्स, यौन जनित संक्रमण, टी.बी. एवं अन्य सामान्य विमारियों के बारे में रोचकपूर्ण से जानकारी प्रदान की जाती है। प्रशासन व अन्य स्टेक होल्डर्स के साथ मुद्दों पर चर्चा के लिये संस्था द्वारा प्रत्येक माह कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने व प्रवासियों के मुद्दों पर चर्चा के लिये संस्था द्वारा प्रत्येक माह जन वकालत बैठकों का आयोजन भी किया जाता है।

संस्था द्वारा लक्ष्यगत हस्तक्षेप कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2017-2018 में किये गये कार्य
(Activities conducted under The Targeted Intervention Program in the year 2017-2018)

क्र.सं. S.No	गतिविधि का नाम Name of activities conducted	संख्या Number
1	Number of STI Health Camp conducted (आयोजित स्वास्थ्य शिविरों की संख्या)	171
2	Number of migrants present at the health camps (स्वास्थ्य शिविर में उपस्थित प्रवाशियों की संख्या)	6872
3	Advocacy with Key Stake Holder meetings conducted (जन वकालत)	12
4	Number of Street Play/Nukked Natak organized (नुक्कड़ नाटक)	12
5	Number of Target Group Congregation Events organized (जनसमूह समारोह)	08
6	Number of referral done for testing HIV at ICTC (आइ.सी.टी.सी. में एच.आइ.वी. जाँच हेतु रेफर)	1019
7	Number of HIV tests done (एच.आइ.वी. जाँच)	1019



Conducting awareness activities through Nukkad Natak for Migrant

Equine Welfare Program by Brooke Hospital for Animals -India

The organization is running the Equine Welfare Program funded by **Brooke Hospital for Animals** since April 2012 at Bageshwar. The program is being implemented in three blocks Bageshwar, Kapkot and Garur for the welfare of equine animals (mule, donkey, horses). The program is being implemented with the help of 10 staff members. A total of 1198 owners of these animals have been given services for their 5006 for local and migrant equine animals. The owners of the animals have ample opportunity of work as the area is hilly and has heterogeneous geographical environment due to which these animals are known to be a good source of income generation. Reema and Kanda areas in Bageshwar are known for its creta excavation which takes place for 8 months each year. These animals are used to carry excavated creta from the excavation ground to the road. The organization is provided support from the Animal Husbandry Department regarding their treatment. The veterinarians and the livestock extension officers in the State are always in support for the program from time to time.

Equine Welfare Program's Vision

To eradicate the pain of these working equine animals

अश्व प्रजाति पशु कल्याण कार्यक्रम

संस्था द्वारा **ब्रुक हॉस्पिटल फॉर एनीमल (इंडिया)** के सहयोग से माह अप्रैल 2012 से जनपद बागेश्वर में अश्व प्रजाति पशु कल्याण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन जनपद के तीनों विकास खण्ड क्रमशः बागेश्वर, कपकोट एवं गरुड़ में अश्व प्रजाति के पशुओं (घोड़ा, खच्चर, गधा) के कल्याण के लिए किया जा रहा है। कार्यक्रम के संचालन हेतु संस्था के पास 10 कार्यकर्ताओं का स्टाफ है। वर्ष 2017-18 में जनपद के तीनों विकास खण्ड में संस्था द्वारा 1198 पशुमालिकों के कुल 5006 अश्व प्रजाति के पशुओं (स्थानीय एवं प्रवाशी) को कार्यक्रम के तहत सेवा प्रदान की गयी। पहाड़ी क्षेत्र एवं विषम भौगोलिक परिवेश होने के कारण जनपद में पशुमालिकों को कार्य की कमी नहीं रहती है जिस कारण आमदनी का एक अच्छा साधन यह पशु माना जाता है। विकास खण्ड बागेश्वर के रीमा व काण्डा क्षेत्र में खडिया खदान होने के कारण वर्ष में लगभग 8 माह खडिया ढोने का कार्य (खदान स्थल से मोटर मार्ग तक) भी इस पशु से किया जाता है। संस्था द्वारा जनपद बागेश्वर में स्थित पशुपालन विभाग से भी कार्यक्रम के तहत अश्व उपचार हेतु सहयोग लिया जाता रहता है जिसके लिए जनपद में कार्यरत सभी पशुचिकित्साधिकारी एवं पशुधन प्रसार अधिकारियों द्वारा सहयोग दिया जाता रहता है।

अश्व प्रजाति कल्याण कार्यक्रम का मुख्य विजन : काम करने वाले अश्वप्रजाति के पशुओं का दुख: दर्द दूर करना।

Equine Welfare Program's main objectives

Following are the 5 main objectives of the program

- ❖ Relieving equine animals from hunger and thirst
- ❖ Releasing equine animals from uncomfortable circumstances
- ❖ Relieving equine animals from pain, wound and disease
- ❖ To provide equine animals freedom to exhibit their normal behavior
- ❖ To help equine animals get rid of fear and stress

Activities conducted under the Equine Welfare Program by the organization

- ❖ Collecting baseline data from animals and their owners.
- ❖ Collecting information relating to the village through PRA and other activities
- ❖ Identifying equine friends and L.H.P
- ❖ Informing equine animal owners about the diseases, their symptoms and prevention
- ❖ Providing first aid and emergency treatment to the animals
- ❖ Proving the owners with first aid kits and train them in providing proper first aid
- ❖ Creating Equine Welfare Groups (EWG) and to inspire them towards activities done for equine animal's welfare

अश्व प्रजाति कल्याण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य

कार्यक्रम के मुख्य 5 उद्देश्य निम्नानुसार हैं :

- ❖ अश्व प्रजाति के पशुओं को भूख एवं प्यास से मुक्ति दिलाना।
- ❖ अश्व प्रजाति के पशुओं को असुविधाजनक स्थिति से मुक्ति दिलाना।
- ❖ अश्व प्रजाति के पशुओं को दर्द, जख्म, एवं बीमारी से मुक्ति दिलाना।
- ❖ अश्व प्रजाति के पशुओं को सामान्य व्यवहार प्रदर्शित करने की आजादी।
- ❖ अश्व प्रजाति के पशुओं को भय व तनाव से मुक्ति दिलाना।

संस्था द्वारा जनपद बागेश्वर में अश्व कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत किये जा रहे कार्य

- ❖ पशु व पशु मालिकों का बेस लाइन डाटा एकत्रीकरण।
- ❖ पी.आर.ए. व अन्य गतिविधियों के द्वारा गाँव से सम्बन्धित जानकारी एकत्र करना।
- ❖ अश्व मित्रों एवं एल.एच.पी. का चयन।
- ❖ पशु मालिकों को अश्वप्रजाति में होने वाली बीमारियों के कारण, लक्षण व बचाव की जानकारी देना।
- ❖ पशुओं को प्राथमिक उपचार व इमरजेंसी उपचार देना।
- ❖ पशु मालिकों को प्राथमिक उपचार किट उपलब्ध कराना एवं उन्हें प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण देना।
- ❖ पशु मालिकों का अश्व कल्याण समूह (EWG) बनाना तथा समूह को अश्व कल्याण की गतिविधियों हेतु प्रेरित करना।
- ❖ अश्व कल्याण समूह को सामूहिक प्रयास हेतु प्रेरित करना।

- ❖ Motivate EWG to work in coordination for the welfare of equine animals
- ❖ Training equine animal owner's on proper and quality shoeing of equine animals
- ❖ Disseminating information to equine animal friends on first aid, symptoms of diseases and its prevention

- ❖ पशु मालिकों को अच्छी व गुणवत्तायुक्त नालबन्दी का प्रशिक्षण देना।
- ❖ अश्व मित्रों को अश्व प्रजाति के प्राथमिक उपचार, रखरखाव व बीमारियों के लक्षण व उन से बचाव की जानकारी देना।

संस्था द्वारा अश्व कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2017-18 में किये गये कार्य

(Activities conducted under Equine Welfare Program in year 2017-18)

क्र.सं S.No.	गतिविधि का नाम Name of activities	संख्या Number
1	एल.इ.ओ. प्रशिक्षण (Livestock Extension Officer Training)	08
2	पशु संसाधन केन्द्रों की स्थापना (Establishment of animal resource centers)	07
3	अश्वमित्र प्रशिक्षण (Training of equine friends)	12
4	पशु टीकाकरण (TT Vaccination)	3463
5	पशुधन बीमा योजना के तहत बीमित पशुओं की संख्या (Number of insured animals under Pashudhan Insurance Scheme)	808
6	बच्चों की प्रतियोगिता (Children's competitions)	12
7	स्वस्थ अश्व प्रतियोगिता (Healthy equine animal competition)	24
8	अश्वमित्र समारोह (Equine friend's celebrations)	01
9	प्राथमिक चिकित्सा किट (First aid kits)	550
10	पी.डब्लू.एन.ए. (Participatory Welfare Need Assessment)	194
11	समिति गठन (Number of committees established)	06
12	पशुपालन विभाग के सहयोग से आयोजित स्वास्थ्य शिविर (Number of health camps conducted with support of animal husbandry department)	15
13	नालबन्दी प्रशिक्षण शिविर (Farriery Training Camps)	24



Equine Welfare Celebration conducted under the program in year 2017-18
कार्यक्रम के तहत आयोजित अश्व कल्याण समारोह वर्ष 2017-18



Veterinary doctor disseminating information on animal's upkeep
पशुओं के रख-रखाव पर जानकारी देते पशुचिकित्सक



Veterinary doctor insuring animals under Pashudhan Insurance Scheme
पशुधन बीमा योजना के तहत बीमा करते पशुचिकीत्सक



Training being provided by trained नालबन्दी का प्रशिक्षण देते प्रशिक्षित नालबन्द



Veterinary doctor disseminating information on animal's upkeep
पशुओं के रख-रखाव पर जानकारी देते पशुचिकीत्सक



Training held by Livestock Extension Officer पशुधन प्रसार अधिकारी ;सम्बन्धित प्रशिक्षण कार्यक्रम

Hans Jaldhara Project Funded by The Hans Foundation

Drinking water scheme has been established by the organization with the support of The Hans Foundation in October 2016 at Garur and Kapkot at Bageshwar in the identified villages in cooperation with the community. The program is running with an agreement with the users to invest 10% of the expense and 90% will be provided from the Hans Foundation.

Each family was provided with their private water connection for them to be able to get ample amount of water for their use.

Following are the activities conducted by the organization under the program in the year 2017-18

- ❖ General awareness meetings
- ❖ Wall paintings, slogan writing, etc
- ❖ Training on water storage and management
- ❖ Training on documentation and record keeping
- ❖ Training of procurement committee on their roles and responsibilities
- ❖ Training of technique experts within the community on their responsibilities and record keeping
- ❖ Training women on income generating activities on products to make them self dependant
- ❖ Procurement of pipes, fittings, etc for the inception of the program
- ❖ Implementation of the scheme with people's participation

हंस जलधारा परियोजना

संस्था द्वारा द हंस फाउन्डेशन नई दिल्ली के सहयोग से माह अक्टूबर 2016 से जनपद बागेश्वर के विकास खण्ड गरुड़ एवं कपकोट की चयनित ग्राम पंचायतों में हंस जलधारा परियोजना का संचालन जनसहभागिता (परियोजना लागत की 10 प्रतिशत धनराशि उपभोक्ताओं के माध्यम से एवं 90 प्रतिशत धनराशि द हंस फाउन्डेशन के द्वारा वहन की जायेगी) के आधार पर करते हुए पेयजल योजनाओं का निर्माण कार्य किया जा रहा है। परियोजना के तहत प्रत्येक परिवार को पेयजल हेतु निजी संयोजन दिये जाने का प्रावधान है ताकि सभी उपभोक्ताओं को प्रचुर मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध हो सके।

वर्ष 2017-18 में परियोजना के तहत संस्था द्वारा निम्नलिखित कार्यों का संपादन किया गया।

- ❖ सामान्य जागरूकता बैठक।
- ❖ दिवार लेखन कार्य (स्लोगन एवं अन्य विवरण)।
- ❖ जल संग्रहण क्षेत्र संरक्षण एवं प्रबन्धन पर प्रशिक्षण।
- ❖ लेखा एवं अभिलेख निगहबानी पर प्रशिक्षण।
- ❖ क्रय समिति के सदस्यों को उनके दायित्व निर्वहन पर प्रशिक्षण।
- ❖ समुदायिक तकनिशियनों को उनके दायित्व निर्वहन एवं अभिलेख निगहबानी पर प्रशिक्षण।
- ❖ महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने हेतु आय उत्पादन गतिविधियों पर प्रशिक्षण।
- ❖ पेयजल योजना निर्माण हेतु पाइप, फिटिंग्स आदि सामग्री का क्रय।
- ❖ जन-सहभागिता के आधार पर पेयजल योजना निर्माण कार्य का क्रियान्वयन।

The rural community was given information through the above mentioned activities/training by the organization under the program. This ensured that proper management of the drinking water scheme can be done and water will be available in the future.

Training to women on income generating



products was provided to make them self dependant and to have an improved financial status under the Women Skill Development activity within the program.

The program in being implemented in the identified villages by the users by creating a plan and implementing it skillfully. The user's committee and the hygiene subcommittee established under the program evaluate and monitor it with the support of the organization from time to time.

संस्था द्वारा उक्त गतिविधियों/प्रशिक्षणों के माध्यम से ग्रामीण जन समुदाय को परियोजना के तहत निर्मित की जा रही पेयजल योजनाओं के रख-रखाव पर ब्यापक जानकारीयां प्रदान की गयी जिसके माध्यम से उनके द्वारा भविष्य में अपनी पेयजल योजना का उचित प्रबन्धन किया जा सके और निरन्तर पेयजल उपलब्धता बनी रहे। परियोजना के तहत महिला कौशल विकास पहल के तहत महिलाओं को दिये आय उत्पादन प्रशिक्षणों के माध्यम से महिलाएँ स्वयं को आत्म निर्भर बनाते हुए अपने परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार ला पाने में सक्षम रहेंगी।



परियोजना के तहत दिवार लेखन कार्य
(Wall writing under the program)

परियोजना के तहत क्रियान्वयन चरण अर्न्तगत संबन्धित गांवों के उपभोक्ताओं द्वारा स्वयं कार्य कर योजना निर्माण कार्य कुशलता के साथ संपादित किया जा रहा है और गठित उपभोक्ता पेयजल एवं स्वच्छता उपसमितियों द्वारा समय-समय पर परियोजना का अनुश्रवण व मूल्यांकन कार्य कर संस्था को सहयोग प्रदान किया जा रहा है।



Construction of CWR at Mategunth & Diranitalia (Agarmatoli)



Construction of CWR at Kukudmayadhar (Kaemu)



हंस जलधारा की एक ही पुकार,
पानी पाये हर परिवार ।

वित्तीय सहयोग हंस फाउन्डेशन
अहयोगी संस्था - पर्वतीय अल्प आय सेवा एवं विकास संस्था

Family Counseling Center by Central Social Welfare Board

A family counseling center has been established at headquarters Tehsil Headquarter with support from Central Social Welfare Board, New Delhi, (Woman and Child Development Ministry, Government of India). The main objective of the center is to solve family issues between couples, and to help them learn to live cordially with each other. To help women, children and adolescents find justice related to harassment, and to make police services available for them. To help eradicate social evils like alcoholism, smoking, gambling etc to save families from breaking up. To make health services, education, education on family behavior easily accessible for women and children and to organize women conference and awareness camps to help control population.

परिवार परामर्श केन्द्र का संचालन

संस्था द्वारा केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड नई दिल्ली (महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार) के सहयोग से जनपद बागेश्वर के लिये स्वीकृत परिवार परामर्श केन्द्र की स्थापना काण्डा तहसील मुख्यालय में की गयी है। केन्द्र का मुख्य उद्देश्य पारिवारिक मतभेदों तथा पति/पत्नि के आपसी झगड़ों, मनमुटावों को सुलझाना व परिवार में सौहार्दपूर्ण जिन्दगी जीने के लिए उचित मार्गदर्शन करना, महिलाओं/किशोरियों/बालिकाओं को उत्पीड़न के मामलों में न्याय दिलाना तथा पुलिस सहायता प्रदान करना, सामाजिक बुराइयों जैसे मादक द्रव्य सेवन, मद्यपान, जुआ आदि के परिणाम स्वरूप टूटते परिवारों को बचाना व बुरी लतों से छुड़ाना एवं महिलाओं तथा बच्चों के स्वास्थ्य के लिए शिक्षा, सेवा, पारिवारिक ब्यवहारिक शिक्षण सुलभ करना तथा जनसंख्या नियंत्रण आदि के लिए मोहल्ला गोष्ठी व जागरुकता शिविरों का आयोजन कर उन्हें जागरुक करना है।

(Activities done by the organization under the Family Counseling Program in year 2017-18)

S.No	Activity name	Number
1	कार्यक्रम के संचालनार्थ गठित उप-समिति की बैठक Subcommittee meetings held for proper implementation of the program	4
2	केन्द्र में पंजीकृत वादों की संख्या (Registered cases at the center)	142
3	वर्ष में समासोधित वादों की संख्या (settled cases in a year)	124
4	वर्ष में आयोजित मोहल्ला गोष्ठियों की संख्या (Women conferences held in a year)	48

